झुंझुनूं जिला विकास के क्षेत्र में राजस्थान में सबसे आगे - केन्द्रीय खान मंत्री शीशराम ओला

माई झुं.न्यूज पिलानी। सुमन पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के वार्षिकोत्सव को सम्बोधित कर केन्द्रीय खान मंत्री शीशराम ओला ने कहा कि राजस्थान नारी शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी है तथा झुंझुनूं जिला विकास के क्षेत्र में राजस्थान में सबसे आगे हैं। उन्होंने नारी शिक्षा, विकास, नहरयोजना, कृषि ऋण आदि पर बोलते हुए कहा कि राजस्थान में आगामी सरकार कांग्रेस की होगी।

इससे पहले मुख्य अतिथि, प्रधानाचार्य राजपालसिंह, समारोह अध्यक्ष सागरमल महिपालसिंह, संचालक श्रीमती सुमन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि केन्द्रीय खान मंत्री शीशराम ओला ने पुरस्कार वितरण किया। संचालन चंद्रशेखर मिश्र ने किया।

प्रदेश में गो सेवा आधारित रोजगार के अवसर सुलभ कराएं जाऐंगे-राजपुरोहित

झुंझुनू, 18 मार्च। राजस्थान गो सेवा आयोग द्वारा अनेक ऐसी योजनाएं बनाई गई है जिनके अन्तर्गत प्रदेश में गो पालन एवं गो सेवा आधारित रोजगार के अवसर युवाओं को सुलभ हो सकेंगे।

यह जानकारी आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने मंगलवार को अपराह्न यहां प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि बैल से चालित मोनो ब्लॉक, ट्रेक्टर, कूतर मशीन, आटा चक्की व विद्युत उत्पादन यंत्रों के उपकरण विकसित किये गये हैं। ये उपकरण पांच जिलों में लगाये जा चुके हैं। आयोग जल्दी ही राज्य के सभी 33 जिलों में एक–एक स्थान पर ये उपकरण स्थापित कराएगा। उन्होंने बताया कि गोबर, गो मूत्र आदि पर आधारित ग्रामोद्योग भी विकसित किये जाएंगे। इस कार्य में कृषि विश्वविद्यालयों सहित देश के तकनीकी संस्थानों का सहयोग भी लिया जाएगा। जोधुपर स्थित आयुर्वेद विश्वविद्यालय में एक पंचगव्य पीठ की स्थापना भी की गई है।

गोशाला प्रतिनिधियों की बैठक: राज्य गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने मंगलवार को दोपहर यहां सूचना केन्द्र सभागार में जिले की गो शालाओं के प्रतिनिधियों की बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान की एक भी गाय प्रदेश के बाहर नहीं जाए इसके लिए आयोग द्वारा ठोस कार्य योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने एक मार्च से प्रदेश के 13 अभाव ग्रस्त जिलों में गो शालाओं को गो वंश के प्रत्येक बड़े पशु के लिए 20 रूपये तथा छोटे पशु के लिए 10 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से अनुदान देने के आदेश जारी किये हैं। शेष जिलों की गो शालाओं से भी अनुदान के प्रस्ताव मांगे गये हैं। उन्होंने बैठक में उपस्थित गो शालाओं के प्रतिनिधियों की समस्याएं भी सुनी तथा उनके समाधान का आश्वासन दिया। इन प्रतिनिधियों के रूप में गजानन्द जांगिड़, कृष्ण कुमार जानू, रामनिवास शास्त्री, मुकेश आनन्द, प्रभुदयाल शर्मा, रतन लाल शर्मा आदि ने अपने सुझाव दिये। अपर जिला कलेक्टर कालीचरण शर्मा ने गो संवर्द्धन के लिए आयोग द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा इन्हें फलीभूत करने में सक्रिय जनभागीदारी का आह्वान किया। उपखण्ड अधिकारी डॉ. भागचन्द बधाल तथा पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. प्रदीप सारस्वत व विभाग के अन्य अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री सैनी का स्वागत

माई झु.न्यूज। वरिष्ठ भाजपा नेता मदनलाल सैनी के भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री बनने के बाद जिले में पहली बार आने पर रविवार को जगह–जगह स्वागत किया गया। उनकी अगवानी में शहर में 21 तोरण द्वार लगाए गए।

जांगिड़ मंगल भवन में भाजपाईयों के अभिनन्दन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री मदनलाल सैनी थे जबकि अध्यक्षता अजा–जजा आयोग अध्यक्ष व भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल ने की। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहनदास अग्रवाल समारोह के विशिष्ठ अतिथि थे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मूलसिंह शेखावत, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश खाजपूरिया, बनवारीलाल सैनी,नगर अध्यक्ष अजय तिवाड़ी, महामंत्री अशोक शर्मा आदि ने शाल व साफे से अतिथियों का स्वागत किया। पार्षद मंजू चौहान, सुधा पंवार व महिला मोर्चा अध्यक्ष विमला चौधरी ने अतिथियों का तिलकार्चन किया।

गल्ला व्यापार संघ के अध्यक्ष नौरंगलाल राणासरिया, श्री गोपाल गोशाला के भरतकुमार तुलस्यान, अखिल भारतीय वैश्य समाज के रामचन्द्र तुलस्यान, श्री वस्त्र व्यापार संघ के विनोद सिंघानिया, नेहरू मार्केट संघ के नरोत्तमलाल जालान, जीनगर समाज के महेश जीनगर, सैनी समाज कल्याण संस्थान के सुरेन्द्रसिंह व सत्यनारायण हलकरा, जांगिड़ समाज के नागरमल जांगिड़, नायक सेवा समिति के राजकुमार, मीणा समाज के बनवारीलाल आदि ने सैनी का स्वागत अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में उप जिला प्रमुख विजयपाल धनखड़, नवलगढ कृषि उपज मंडी अध्यक्ष शुभकरण चौधरी, बीसूका उपाध्यक्ष संतोष अहलावत, सहवृत सदस्य रमेश टीबड़ा, जिला महामंत्री विश्वंभर पूनियां, जिला मंत्री दिनेश धाबाई, विष्णु रूंथला, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, किशनलाल शर्मा, अर्जुनलाल वर्मा, उदयुरवाटी प्रधान विमला गुर्जर सहित अन्यजन उपस्थित थे।

योग एक परिचय- आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला

योग क्या है? इसकी व्याख्या हमारे योगाचार्यो ने हर युग में अलग अलग की है फिर भी सभी का सारतत्व एक ही है परम लक्ष्य की प्राप्ति। लेकिन योग देश, काल, परिस्थित वातावरण व साधक के अनुसार भी बदल जाता है। योग एक अलंकार(आभूषण) हैं जो भी धारण करता है वह उसकी गुणवत्ता को ओर अधिक बढा देता है। योग श्रेष्ठता ला देता है। आप चाहे जो भी है अगर योग को अपनाते हैं तो आपमें निश्चित ही श्रेष्ठता आती है। आप जो भी है नेता, अभिनेता, गृहणी, अध्यापक, वकील, क्लर्क, खिलाड़ी, विद्यार्थी। बस योग से जुड़िये और आप जो भी है श्रेष्ठ होंगे। योग एक जीवन जीने की कला है और वह सबके लिए जरूरी है। ये निर्बल में सबल होने की विद्या है। दुनियां में एक योग ही ऐसी चीज है जो आपको चारों पुरूषार्थ दे सकता है।

योग की प्राचीनकाल में आचार्यों ने अलग अलग परिभाषा दी हैं।

योगाश्चितवृत्ति निरोध:- पंतजलि योग दर्शन के अनुसार चित्त की दो वृत्तियां होती हैं अच्छी और बुरी दोनें वृत्तियों पर नियंत्रण रखना ही योग है।

योग:मन: प्रशमनोपाय: इत्यभिधीयते। - (योग वशिष्ठ) अर्थात मन को प्रशमित (प्रशन्न) करने की विद्या का नाम ही योग है।

योग : कर्मसु कौशलम्- (भगवतगीता)

कर्मों में कुशलता, कुशलता पूर्वक कार्य करने की क्षमता का नाम ही योग है। तं विधाद दु:ख संयोग वियोग योग संज्ञितम् (भगवतगीता) वह विद्या योग कहलाती है जो दुख से दूर कर देती है या दु:ख में भी सुख का अनुभव हीयोग है या दु:ख में भी सुख का अनुभव ही योग है। योग समाधि: समाधि की अवस्था ही योग है। क्रमिक विकास का नाम ही योग (स्वामी विवेकानन्द) जो विद्या हमारा क्रमिक विकास कर दे वही योग है। साधारण मानव से श्रेष्ठ मान, महामानव, देव, पितृ, ब्रह्म एवं परब्रह्म। स्वर्णिम व्यक्तित्व का विकास ही योग है। (महर्षि योगी अरविन्द)

शारीरिक, मानसिक, बोद्धिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सर्वांगीण विकास करदे वहीं विद्या योग है। यह अत्याधुनिक परिभाषा है।

लेकिन इन सबका जिस विद्या से विकास हो वह अष्टांग योग

1. यम - अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, ये पाचं यम हैं जो समाज व दूसरों के लिए पालन किये जाते हैं जिसके अपने द्वारा किसी दूसरे की व्यवस्था ना बिगड़े व समाज को हानि नहीं हो ये योग का पहला विषय है।

2. नियम- शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राधिधान ये पांच नियम साधक केस्वयं के स्वस्थ रहने के लिए नियम है। इसी प्रकार 3. आसन 4. प्राणायाम 5. प्रत्याहार 6. धारण 7. ध्यान 8. समाधि। ये योग के आठ अंग है जो उपरोक्त परिभाषाओं को परिपूर्ण करते हैं ।

आपको परिपूर्ण स्वस्थ व परिपूर्ण विकास के लिए ये आठों अंग अनिवार्य है। इन आठों अंगों को अपना ना ही समन्वित योग है परिपूर्ण योग है ये सभी अंग एक दूसरे के पूरक हैं।

आचार्य हरीसिंह रोहिल्ला
अग्रसेन भवन मो- 9828486899

प्रवासी नागरिकों के सम्मान में फाल्गुन महोत्सव

माई झुं.न्यूज मलसीसर। अग्रवाल समाज सेवा समिति **मलसीसर।** के सौजन्य से शुक्रवार को चौखानी गेस्ट हाउस में सर्व समाज की ओर से प्रवासी नागरिकों के सम्मान में फाल्गुन महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में राधाकिशन जगनानी परिवार की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्सरे मशीन, ईसीजी मशीन मय कमरा निर्माण के लिए चार लाख रूपए देने की घोषणा की।

इस अवसर पर जगनानी परिवार का ग्रामवासियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। जगनानी परिवार ने पंचायत समिति सदस्य हाजी भीलू खां, जगदीश प्रसाद वर्मा, सत्यनारायण केडिया, द्वारकाप्रसाद पचलगिया का शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शॉल ओढाकर सम्मान किया गया। प्रवासी बंधुओं ने गोशाला भविष्य निधि के रूप में ५१ हजार रूपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। संचालन संतोष कुमार हाकिम ने किया।

योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी-जिला कलेक्टर दिनेशकुमार

झुंझुनू, 19 मार्च: राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (नरेगा) के तहत बुधवार को यहां सूचना केन्द्र सभागार में जिला परिषद की ओर से मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जिले के मीडिया प्रतिनिधियों और सम्पादकों ने हिस्सा लिया।

योजना के मास्टर ट्रेनर एवं सहायक निदेशक (अल्पबचत) युगान्तर कुमार ने पावर प्वाइण्ट प्रजेण्टेशन के जरिये नरेगा के विभिन्न बिन्दुओं और प्रावधानों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने कहा कि जिले में एक अप्रेल से लागू होने वाली इस योजना का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के किसी भी परिवार का शारीरिक रूप से समक्ष वयस्क व्यक्ति इस योजनान्तर्गत रोजगार प्राप्त कर सकेगा बशर्ते कि उसने ग्राम पंचायत से जोब कार्ड ले लिया है और रोजगार के लिए निर्धारित प्रपत्र संख्या छह में उसने आवेदन कर प्रपत्र संख्या आठ प्राप्त कर लिया है।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गौतम मुखर्जी ने बताया कि योजना क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए प्रत्येक पंचायत में पांच व्यक्तियों का ऑडिट फोर्म तथा प्रत्येक गांव में मानेटरिंग कमेटी बनाई गई है। सभी कार्यक्रम अधिकारियों तथा जिला कलेक्टर के पास शिकायत पेटी रखी जाएगी ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत अथवा सुझाव दे सके। उन्होंने बताया कि जिले की सभी 288 पंचायतों में ग्राम सहायक नियुक्त किये गये हैं। अन्य तकनीकी नियुक्तियां भी की जा रही है। कार्यशाला में पत्रकारों द्वारा नरेगा के सम्बन्ध में पूछे गये सवालों का जवाब भी दिया गया।

इण्डियन पब्लिक स्कूल बुहाना वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह

माई झुं.न्यूज बुहाना। इण्डियन पब्लिक स्कूल बुहाना के वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोल रहे सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरीकलां के कुलाधिपति डीसी सिंघानिया ने कहा कि युवा लक्ष्य निर्धारित करके प्रयास करेंगे तो उन्हें कामयाबी अवश्य मिलेगी। सिंघानिया ने विद्यालय के छात्रों के लिए झूला देने व विद्यालय परिवार को हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

विशिष्ट अतिथि सिंघानिया विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. आरके जैन थे। अध्यक्षता तहसीलदार इन्द्रसिंह जाट ने की। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अतिथियों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रामप्रताप सिंह, कृष्ण कुमार यादव ने विचार व्यक्त किए।

झुंझुनूं में ब्राह्मण महासभा का सम्पन्न हुआ होली स्नेह मिलन

माई झु.न्यूज। मोदी रोड़ स्थित बाबा गंगाराम अतिथि भवन में ब्राह्मण महासभा झुंझुनूं द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता महासभा के जिलाध्यक्ष व प्रान्तीय महामंत्री डा. दयाशंकर बावलिया ने की। मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेपी मिश्रा थे। समारोह के विशिष्ठ अतिथि युवा ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष ललित मिश्रा, भवानीशंकर पुरोहित, एडीएम कालीचरण शर्मा, एएसपी वीके गौड़, चूड़ीधाम के महन्त रामनारायण, चिड़ावा के स्वामी गरूड़ध्वजाचार्य थे। इस अवसर पर 31

ब्राह्मण विभूतियों को विप्र शिरोमणी सम्मान से नवाजा गया। सम्मानित होने वालों में चूड़ीधाम के महंत रामनारायण, चिड़ावा के गरूड़ध्वजाचार्य महाराज, मुकुन्दगढ के वैद्य श्यामसुंदर सुरोलिया, सूरजगढ के महावीर प्रसाद शर्मा, देवेन्द्र कुमार शर्मा, रिछपाल शर्मा, नवलगढ के वैद्य दुर्गाप्रसाद दिवाकर, चिराना के जनार्दन शर्मा, गुढा के सांवरमल नदीवाला, उदयपुरवाटी के वैद्य हनुमानप्रसाद शर्मा, मुरादपुर के बाबूलाल शर्मा, सिंघाना के वैद्य हनुमानप्रसाद शर्मा, पपूरना के बद्रीप्रसाद शास्त्री, बडाऊ के ग्यारसीलाल शर्मा, अलसीसर के हरीराम चौमाल, बिसाऊ के राधेश्याम कानोडिया, राधेश्याम दाधिच, पिलानी के नागराज शर्मा, रामनिरंजन शर्मा ठिमाऊ, भैंसावता खुर्द, महावीर प्रसाद जोशी, परसरामपुरा के रामनिवास शास्त्री, पुरोहितों की ढाणी के राधेश्याम पारीक, मलसीसर के द्वारकाप्रसाद पचलंगिया, भोजनगर के विनोद शर्मा, दिलोई के किरोड़ीमल मिश्रा, बासड़ी के हीरालाल शर्मा, ककराय के उमेश शर्मा, खेतड़ी के नंदकिशोर चोटिया, मण्डावा के विष्णुदत शर्मा तथा झुंझुनूं के सत्यनारायण शर्मा, महेश बसावतिया, डॉ. त्रिवेणीशर्मा, रूक्मणी भेड़ा, सुधा शर्मा व शकुंतला पुरोहित शामिल थे। इस अवसर पर होली के माहौल के अनुरूप कवी नागराज शर्मा ने सुन्दर काव्यपाठ प्रस्तुत किया।

स्व. श्रीराम रिछपाल तुलस्यान की स्मृति में कामधेनू मंदिर का लोकार्पण

माई झु.न्यूज। अमृतधाम आश्रम हैदराबाद में गत माह स्व. श्रीराम रिछपालरायजी (हलवाई) तुलस्यान अवन्तीनगर की स्मृति में तुलस्यान परिवार द्वारा अष्ठकोणी कामधेनू मंदिर का लोकार्पण राष्ट्र संत श्री सुधांशुजी महाराज के कर कमलों द्वारा विधि विधान पूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रभातीलाल मुसदीलाल कोटवाले परिवार द्वारा निर्मित श्रीरामदरबार मंदिर व श्री वीर हनुमान मंदिर के भी प्राण प्रतिष्ठा की गयी। दिनांक 23 से 28 फरवरी तक पांच दिवसीय धार्मिक लोकार्पण, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रमों में महापूर्णाहुति, महांकुभांभिषेक, शांति कल्याणोत्सव एवं भण्डारा तथा सुधांमुत्री महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में एक दिवसीय अमृत सुधा भक्ति सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

तुलस्यान परिवार से राजकुमार तुलस्यान एसं आदर्श तुलस्यान ने एक जानकारी में बताया कि अष्ठकोठी कामधेनू मंदिर विश्व का एकमात्र मंदिर है जिसका निर्माण बहुत ही मन एवं लगन से श्रृद्धा केसाथ किया गया है। उन्होंने बतायाकि स्व. रीछपालरायजी तुलस्यान जो कि धार्मिक विचारों के गोभक्त व्यक्ति थे। उनकी सतप्रेरणा से उनकी स्मृति में उनके परिवार द्वारा इस मंदिर का निर्माण करवाया गया है। इस अवसर पर विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल तथा अमृत आश्रम गौशाला समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं तुलस्यान परिवार के विश्वनाथ तुलस्यान, राजकुमार तुलस्यान, ओमप्रकाश तुलस्यान, नवल किशोर तुलस्यान, आदर्श तुलस्यान सहित अन्यजन सपरिवार उपस्थित थे।

हरिया देवी ने फिर ओढ़ाई मुख्यमंत्री को चादर

जयपुर, 27 मार्च। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे को गत चार वर्षों में नौंवी बार सितारों से जड़ी चुनरी ओढ़ाकर श्रीमती हरिया देवी देवासी ने एक बार फिर अपने संकल्प को पूरा किया। हुआ यूं कि नर्मदा के जल के राजस्थान की सीमा पर प्रवेश के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे जैसे ही लालपुर हवाई पट्टी पर पहुंची तो वहां उपस्थित श्रीमती हरिया देवी ने उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सांचोर की धरती पर उनका भावभीना स्वागत किया। श्रीमती हरिया देवी ने चार साल पूर्व यह संकल्प लिया था कि जब कभी मुख्यमंत्री जालौर जिले में आएंगी तो वह उनका स्वागत चुनरी ओढ़ाकर करेंगी। श्रीमती राजे हरिया के हरख को देखकर अभिभूत हो उठी। श्रीमती हरिया देवी ने मुख्यमंत्री का जालोर आने पर आभार प्रकट किया।

मॉरीशस में 108 फीट ऊंची शिव प्रतिा के शिल्पकार नरेश का सम्मान

झुंझुनू, 4 मार्च: पिलानी के युवा शिल्पकार नरेश कुमावत ने मॉरीशस के गंगा तालाब क्षेत्र में 108 फीट ऊंची भव्य शिव प्रतिमा का निर्माण किया है जिसके फलस्वरूप उन्हें गत 29 फरवरी को इस प्रतिमा के महाभिषेक समारोह में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचन्द्र रामगुलाम ने शॉल, प्रशस्तिपत्र एवं नकद पुररूस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस समारोह में धर्मगुरू शिवरात्रिजी महाराज, प्रधानमंत्री की पत्नी श्रीमती वीणा राम गुलाम तथा नरेश के पिता एवं सुपसिद्ध मूर्तिकार मातुराम वर्मा भी मंचासीन थे। 13 दिसम्बर 1975 को पिलानी में जन्मे और यहीं पर फाइन आर्ट की बैचलर डिग्री की परीक्षा उर्तीण करने वाले नरेश ने अपने पिता के सानिध्य में ही शिल्प कौशल की विशिष्टता हासिल की है। शेखावाटी के इस युवा शिल्पकार को वर्ष 2006 में जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया था। इसके अलावा नरेश को गुजरात व पंजाब में भी सम्मान मिल चुके हैं।

मोतीलाल कॉलेज में सम्पन्न संगोष्ठी

माई झु.न्यूज। सेठ मोतीलाल कॉलेज में कर्मकांड की उपयोगिता एवं इसके वैज्ञानिक पहलुओं पर विचार गोष्ठी में हिन्दु समाज के कर्मकांडों के प्रति अनास्था पर चर्चा की गई। एसएमएल टीचर्स एजुकेशन कॉलेज के कार्यकारी प्राचार्य संजय मिश्रा ने कहा कि दूसरे धर्मों में उदार एवं स्वतंत्र चिन्तन की उतनी खुली छूट नहीं है जितनी कि हिन्दु धर्म में है। बीएड प्रशिक्षणार्थियों ने भारतीय संस्कृति दर्शन में वर्णित कर्मकांड की वर्तमान में उपयोगिता व वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भूपेन्द्रसिंह, किशोर जानू, मनीषा, प्यारेलाल सहित बीएड व एसटीसी प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।